पार्किंग की दुश्वारी, जाम बना महामारी

पुराने शह
अवैध निम
से हालात
रहे बदतर

कहां है पार्किंग
जहां खड़ी करें गाड़ी

तीसरी किस्त

जागरण संवाददाता, लखनऊ : पुराने शहर के संकरे रास्तों पर वाहनों की पार्किंग एक दुश्वारी है। यहां इमारतों में ढूंढे पार्किंग नहीं मिलती है। रोज नए निर्माण हो रहे हैं। इनमें पार्किंग को तो मानो गैरजरूरी ही मान लिया गया हो। नाका हिंडोला, ठाकुरगंज, चौपटिया, नक्खास, राजाजीपुरम, बुलाकी अड्डा, नादान महल रोड, मौलवीगंज, चारबाग से लेकर आलमबाग होते हुए कृष्णा नगर तक ऐसा ही हाल है।

लाटूश रोड पर कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़े दोपहिया वाहन • जागरण

करीब 80 फीसद बड़े निर्माण बिना पार्किंग के ही हो रहे हैं। जबकि कागजी कार्रवाई की बात करें तो पिछले करीब एक साल में यहां लगभग 500 ध्वस्तीकरण और इमारतों को सील करने के आदेश इसी कारण हुए हैं। मगर हालात जस के तस हैं। सिस गोमती का अधिकांश घना बसा हुआ क्षेत्र पुराना शहर है। जहां लोगों की आवासीय और व्यावसायिक जरूरतों का ध्यान में रखते हुए जम कर निर्माण किए गए हैं। इनमें से अधिकांश निर्माण अवैध हैं।

नाका मोबाइल बाजार में कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़े दोपहिया वाहन • जागरण

इन इलाकों में रहता है सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम

• लाटूश रोड से नाका होते हुए चारबाग रोड। • कोनेश्वर पर हरदोई रोड, ठाकुर से दुबग्गा तक। • चौक चौराहे से कोनेश्वर चौराहे तक दोनों ओर। • नक्खास, नादान महल रोड से होते हुए मौलवीगंज से अमीनाबाद तक। • आलमबाग बस अड्डे से कानपुर रोड पर कृष्णानगर तक। • कैसरबाग चौराहे से बस अड्डा होते हुए बलरामपुर अस्पताल से सिटी स्टेशन तक।